FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 6, Size:(8.00)cms X (18.30)cms.

BKC Bullet stn is 80% dug out

Mumbai: The work on the Mumbai-Ahmedabad high-speed bullet train project is going on in full swing, with major structural and tunnelling milestones being achieved, the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) said on Saturday. For the under-construction station at Bandra Kurla Complex (BKC), 80% of the excavation work has been completed. Base slab casting at 100 ft below ground level has already started at both ends of the station site. The work on all three elevated stations in the state, Thane, Virar, and Boisar, is advancing swiftly, and the first slabs for Virar and Boisar stations have recently been cast.

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 9, Size:(3.33)cms X (8.31)cms.

BKC बुलेट ट्रेन स्टेशन की खुदाई का काम 80% पूरा

NBT रिपोर्ट, मुंबई : एनएचएसआरसीएल ने बीकेसी में तैयार हो रहे बुलेट ट्रेन स्टेशन के पहले स्टेशन तैयार करने के लिए खुदाई का काम 80 % पूरा कर लिया है। खुदाई के साथ ही स्टेशन साइट के दोनों छोरों पर जमीन से 100 फीट नीचे बेस स्लैब कास्टिंग का काम शुरू कर दिया गया है।

बीकेसी के साथ ही ठाणे, विरार और बोईसर पर काम तेजी से चल रहा है। विरार और बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है। स्टेशन निर्माण के साथ ही बुलेट ट्रेन का काम मार्ग राज्य में तैयार करने के लिए 44 किमी के मार्ग पर पियर निर्माण किया जा चुका है। पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम चल रहा है। वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। अहमदाबाद से बीकेसी के बीच बुलेट ट्रेन का निर्माण किया जा रहा है।

NAVBHARAT, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 13, Size:(6.52)cms X (13.77)cms.

विरार और बोईसर का दिखने लगा काम

बुलेट ट्रेन स्टेशन का पहला स्लैब कास्ट

■ मुंबई (सं). महाराष्ट्र में चल रहे बुलेट ट्रेन के काम ने रफ्तार पकड़ ली है. तीनों एलिवेटेड स्टेशनों यानी ठाणे, विरार और बोईसर का काम भी दिखने लगा है. विरार और बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब कास्ट भी किया जा चुका है. मार्ग के कई स्थानों पर पियर की नींव और पियर का काम प्रगति पर है. अब तक लगभग 44 किलोमीटर के पियर का निर्माण किया जा चुका है. मिली जानकारी के अनुसार, हाल ही में पालघर जिले के दहानू क्षेत्र में फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के माध्यम से वायडक्ट निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है. इसके साथ ही पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम भी चल रहा है. ध्यान देने वाली बात यह है कि वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है.

भारत की पहली अंडरग्राउंड बुलेट ट्रेन टनल का चल रहा काम : बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन और महाराष्ट्र राज्य में शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है. 21 किलोमीटर सुरंग में से 16 किलोमीटर सुरंग टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है. इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है. न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग तकनीक (एनएटीएम) के माध्यम से शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती फेसों से संचयी रूप से लगभग 4.1 किमी सुरंग हेडिंग हो चुकी है.

BKC स्टेशन का 80% खुदाई का काम पूरा

तो वहीं विक्रोली (56 मीटर की गहराई पर) और सावली शाफ्ट (39 मीटर की गहराई पर) दोनों पर बेस स्लैब की ढलाई पूरी हो गई है. स्लज उपचार संयंत्र शाफ्ट के स्थान पर स्थापित किया जा रहा है. और महापे टनल लाइनिंग कास्टिंग यार्ड टनल लाइनिंग खंडों का उत्पादन कर रहा है. बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में निर्माणाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 80% खुदाई का काम पूरा हो चुका है. स्टेशन साइट के दोनों छोर पर ज़मीन से 100 फ़ीट नीचे बेस स्लैब कास्टिंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है.

एनएचएसआरसीएल के एमडी विवेक कुमार गुप्ता ने निदेशक (परियोजनाएं) के साथ दहानू के पास कास्टिंग यार्ड और पर्वतीय सुरंग का निरीक्षण किया. इस यात्रा में सुरंग खुदाई, गर्डर कास्टिंग और पूर्ण-अवधि प्रक्षेपण परिचालन की तैयारियों से संबंधित सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा भी शामिल थी.

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 2, Size:(7.86)cms X (11.06)cms.

महाराष्ट्र में रफ्तार पकड़ रहा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम

- बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन की 80 फीसदी खुदाई पूरी
- तीन एलिवेटेड स्टेशनों का पहला स्लैब कास्ट पूरा, 44 किमी के पियर का निर्माण पूरा

वरिष्ठ संवाददाता | मुंबई

गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम रफ्तार पकड़ रहा है। बीकेसी में तैयार हो रहे निर्माणाधीन अंडरग्राउंड बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 80 फीसदी खुदाई का काम पूरा हो चुका है। स्टेशन साइट के दोनों छोर पर जमीन से 100 फीट नीचे बेस स्लैब कास्टिंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र में ठाणे, विरार और बोइसर एलिवेटेड स्टेशनों का पहला स्लैब कास्ट और 44 किमी के पियर का निर्माण भी पूरा हो चुका है।

कहां कितना कार्य

- तेजी से चल रहा है। विरार और बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है।
- ट्रेन मार्ग के कई स्थानों पर पियर की नींव और पियर का काम प्रगति पर है। अब तक लगभग 44 किलोमीटर के पियर का निर्माण किया जा चुका है।
- हाल ही में पालघर जिले के दहानू क्षेत्र में फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लांचिंग के माध्यम से वायडक्ट निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है।
- पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम चल रहा है।
- वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन की स्थिति

- बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन और महाराष्ट्र राज्य में शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत/समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है।
- 21 किलोमीटर सुरंग में से 16 किलोमीटर सुरंग टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से, जबकि शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।
- न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती फेसों से संचयी रूप से लगभग 4.1 किमी सुरंग हेडिंग हो चुकी है।
- विक्रोली (56 मीटर की गहराई पर) और सावली शाफ्ट (39 मीटर की गहराई पर) पर बेस स्लैब की ढलाई पूरी हो गई है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 6.7.2025
Page No. 2, Size:(23.04)cms X (14.84)cms.

बुलेट रेल प्रोजेक्ट • प्रोजेक्ट निर्माण की गति में तेजी

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन के तीन एलिवेटेड स्टेशन बनाए जा रहे

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का काम गुजरात के साथ महाराष्ट्र में भी तेज गति से चल रहा है। तीनों एलिवेटेड स्टेशनों ठाणे, विरार और बोईसर का निर्माण चल रहा है। विरार और बोईसर स्टेशन पर पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है। अब तक लगभग 44 किमी लंबी पिलर संरचना का निर्माण पूरा हो चुका है। पालघर जिले में फुल स्पान बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग तकनीक के माध्यम से वायडक्ट निर्माण भी चल रहा है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई भी जारी है। वैतरणा, उल्हास और जगानी नदियों पर पुल निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है, जिससे रेल ट्रैक की संरचनात्मक

मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। परियोजना का सबसे महत्वाकांक्षी भाग मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में भूमिगत बुलेट ट्रेन स्टेशन और शिलफाटा तक की 21 किमी लंबी भूमिगत/समुद्री सुरंग है। इसमें से 16 किमी सुरंग टनल बोरिंग मशीन से और शेष 5 किमी न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड से बन रही है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे 7 किमी लंबी समुद्री सुरंग भी शामिल है।

PRAHAAR, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 4, Size:(8.39)cms X (5.91)cms.

महाराष्ट्रात बुलेट ट्रेनच्या कामाला वेग

भूमिगत, उन्नत स्थानकांची झपाट्याने उभारणी

◆ ठाणे (प्रतिनिधी) :

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या महाराष्ट्रातील कामांना मोठा वेग मिळाला आहे. ठाणे, विरार आणि बोईसर येथील उन्नत स्थानकांचे काम वेगात सुरू असून, विरार व बोईसर येथे पहिला स्लॅब नुकताच यशस्वीरीत्या टाकण्यात आला आहे. प्रकल्पाच्या मार्गावर अनेक ठिकाणी पिअर फाऊंडेशन आणि घाटांचे काम प्रगतीपथावर असून आतापर्यंत सुमारे ४४ किलोमीटर लांबीचे पायर्स उभारण्यात आले आहेत.

पालघर जिल्ह्यातील डहाणू परिसरात पूर्ण स्पॅन बॉक्स गर्डर लाँचिंगद्वारे भव्य व्हायाडक्टचे काम सुरू झाले आहे. याशिवाय पालघर जिल्ह्यातील सात पर्वतीय बोगद्यांची खोदकामेही वेगाने सुरू आहेत. वैतरणा, उल्हास आणि जगणी या प्रमुख नद्यांवरील पुलांचे बांधकामही

सुरू करण्यात आले आहे. या प्रकल्पाचा सर्वांत वैशिष्ट्यपूर्ण भाग म्हणजे २१ किलोमीटर लांबीचा भूमिगत व समुद्राखालचा बोगदा, जो वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स ते शिळफाटा या मुंबईतील दोन स्थानकांदरम्यान बांधण्यात येत आहे. या बोगद्याच्या १६ किलोमीटर भागासाठी टनेल बोअरिंग मशीन वापरले जात आहे, तर उर्वरित ५ किलोमीटर भाग एनएटीएम या पद्धतीने बांधला जात आहे. यामध्ये ठाणे क्रीकखालील तब्बल सात किलोमीटरचा समुद्राखालचा भाग देखील समाविष्ट आहे.

शिळफाटा व एडीआयटी पोर्टल येथून एनएटीएम पद्धतीने ४.१ किलोमीटर लांबीच्या बोगद्याचे हेडिंग पूर्ण करण्यात आले आहे. विक्रोळी (५६ मीटर खोली) आणि सावली शाफ्ट (३९ मीटर खोली) येथे बेस स्लॅबचे कास्टिंग पूर्ण झाले आहे. शाफ्ट साइटवर गाळ प्रक्रिया प्रकल्प बसवण्यात येत असून, महापे येथील टनेल लाइनिंग कास्टिंग यार्डमध्ये बोगद्याच्या अस्तरांचे उत्पादन सुरू झाले आहे. दरम्यान, वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथे निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्थानकाच्या उत्खननाचे सुमारे ८० टक्के काम पूर्ण झाले असून, स्टेशनच्या दोन्ही टोकांवर जमिनीपासून १०० फूट खाली बेस स्लॅब कास्टिंगचे काम सुरू आहे. बुलेट ट्रेन प्रकल्पामुळे महाराष्ट्रात भक्कम पायाभूत सुविधा उभी राहत असून, यामुळे रोजगार, तंत्रज्ञान, आणि जलद प्रवासाची दारे खुली होत आहेत. हे प्रकल्प राष्ट्राच्या प्रगतीचा नवा वेग ठरतील, यात शंका नाही.

Bullet train work accelerates in Maharashtra

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 6.7.2025
Page No. 12, Size:(25.81)cms X (8.08)cms.

80 percent excavation completed at BKC station for bullet train in Mumbai

મુંબઈમાં બુલેટ ટ્રેન માટેના બીકેસી સ્ટેશન ખાતે 80 ટકા ખોદકામ પૂર્ણ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | મુંબઈ

બુલેટ ટ્રેન માટેના બાંદરા કુર્લા કોમ્પ્લેક્સ (બીકેસી) સ્ટેશન ખાતે 80 ટકા ખોદકામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે અને ઊંડા શાફ્ટથી લઈને વિરાટ ટનલ અને સમુદ્ર ક્રોસિંગ સુધી, બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ ઝડપથી આગળ વધી રહ્યો છે. બીકેસી અને થાણે જિલ્લામાં શિલફાટા વચ્ચે 21 કિલોમીટર લાંબી ભૂગર્ભ અને દરિયાઈ ટનલમાંથી, 16 કિલોમીટર ટનલ બોરિંગ મશીનોનો ઉપયોગ કરીને ખોદકામ કરવામાં આવી રહ્યું છે અને 5 કિલોમીટર ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિની મદદથી ખોદકામ કરવામાં આવી રહ્યું છે, એમ શનિવારે નેશનલ હાઈ-સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન ઓફ ઈન્ડિયા લિમિટેડ (એનએચએસઆરસીએલ)એ જણાવ્યું હતું.મુંબઈ અને અમદાવાદ વચ્ચે 508 કિલોમીટરના રેલ કોરિડોરનો અમલ કરી રહેલા એ ન એ ચ એ સ આ ર સી એ લ એ જણાવ્યું હતું કે બીકેસી સ્ટેશન સાઈટના બંને છેડા પર જમીનની સપાટીથી 100 ફૂટ નીચે બેઝ સ્લેબ કાસ્ટિંગ શરૂ થઈ ગયું છે. સ્ટેશન પર ખોદકામનું લગભગ 80 ટકા કાર્ય પૂર્ણ થઈ ગયું છે, વિક્રોલી (56 મીટર ઊંડા) અને સાવલી શાફ્ટ (39 મીટર ઊંડા) ખાતે બેઝ સ્લેબ કાસ્ટિંગ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. ટનલ બોરિંગ મશીનો શરૂ કરવા અને ભૂગર્ભ કાર્યને સરળ બનાવવા માટે આ શાફ્ટ આવશ્યક છે.

DIVYA BHASKAR, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 2, Size:(25.82)cms X (12.98)cms.

80 percent excavation completed at BKC station for bullet train

સિટી એન્કર

ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિથી ખોદકામ, આ પ્રોજેક્ટનો ખર્ચ અંદાજે 1.08 લાખ કરોડ છે

બુલેટ ટ્રેન માટેના બીકેસી સ્ટેશન ખાતે 80 ટકા ખોદકામ પૂર્ણ થયું

ભાસ્કર ન્યૂઝ | મુંબઈ

બુલેટ ટ્રેન માટેના બાંદરા કુર્લા કોમ્પ્લેક્સ (બીકેસી) સ્ટેશન ખાતે 80 ટકા ખોદકામ પૂર્ણ થઈ ગયું છે અને ઊંડા શાફ્ટથી લઈને વિરાટ ટનલ અને સમુદ્ર ક્રોસિંગ સુધી, બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ ઝડપથી આગળ વધી રહ્યો છે. બીકેસી અને થાણે જિલ્લામાં શિલફાટા વચ્ચે 21 કિલોમીટર લાંબી ભૂગર્ભ અને દરિયાઈ ટનલમાંથી, 16 કિલોમીટર ટનલ બોરિંગ મશીનોનો ઉપયોગ કરીને ખોદકામ કરવામાં આવી રહ્યું છે અને 5 કિલોમીટર ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિની મદદથી ખોદકામ કરવામાં આવી રહ્યું છે. એમ શનિવારે નેશનલ હાઈ-સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન ઓફ ઈન્ડિયા લિમિટેડ (એનએચએસઆરસીએલ)એ જણાવ્યું હતું.

મુંબઈ અને અમદાવાદ વચ્ચે 508 કિલોમીટરના રેલ કોરિડોરનો અમલ કરી રહેલા એનએચએસઆરસીએલએ જણાવ્યું હતું કે બીકેસી સ્ટેશન સાઈટના બંને છેડા પર જમીનની સપાટીથી 100 ફૂટ નીચે બેઝ સ્લેબ કાસ્ટિંગ શરૂ થઈ ગયું છે. સ્ટેશન પર ખોદકામનું લગભગ 80 ટકા કાર્ય પૂર્ણ થઈ ગયું છે, વિક્રોલી (56 મીટર ઊંડા) અને સાવલી શાફ્ટ (39 મીટર ઊંડા) ખાતે બેઝ સ્લેબ કાસ્ટિંગ પૂર્ણ થઈ ગયું છે. ટનલ બોરિંગ મશીનો શરૂ કરવા અને ભૂગર્ભ કાર્યને સરળ બનાવવા માટે આ શાફ્ટ આવશ્યક છે, એમ એક અધિકારીએ જણાવ્યું હતું.

આ પ્રોજેક્ટનો કુલ ખર્ચ રૂ. 1.08 લાખ કરોડ આંકવામાં આવ્યો છે, અને શેરહોલ્ડિંગ પેટર્ન મુજબ, ભારત સરકાર એનએચએસઆરસીએલને રૂ. 10,000 કરોડ ચૂકવવાના છે, જ્યારે બે રાજ્યો, ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્ર, દરેકે રૂ. 5,000 કરોડ ચૂકવવાના છે. બાકીની રકમ જાપાન દ્વારા 0.1 ટકા વ્યાજ દરે લોન દ્વારા ચૂકવવાના છે.

થાણે, વિરાર અને બોઇસરમાં ઝડપ

મહારાષ્ટ્રમાં થાણે, વિરાર અને બોઈસર એલિવેટેડ સ્ટેશનો પર કામ ઝડપી ગતિએ આગળ વધી રહ્યું છે, એમ તેમણે ઉમેર્યું હતું કે અનેક સ્થળોએ પિયરનું કામ હાથ ધરવામાં આવી રહ્યું છે, જેમાં અત્યાર સુધીમાં આશરે 44 કિલોમીટરના પિયર કાસ્ટિંગ કરવામાં આવ્યા છે. પાલઘર જિલ્લામાં, સાત પર્વતીય ટનલનું ખોદકામ ચાલી રહ્યું છે, અને વૈતરણા, ઉલ્હાસ અને જાગણી નદીઓ પર પુલનું બાંધકામ શરૂ થઈ ગયું છે, એમ એનએચએસઆરસીએલ એ જણાવ્યું હતું.

DO BAJE DOPAHAR, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 5, Size:(21.93)cms X (15.56)cms.

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट ने पकड़ी रफ्तार

ठाणे, विरार, बोईसर स्टेशन पर तेज़ी से काम, सुरंग और पुल निर्माण में भी आई तेजी

एजेंसी । ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का महाराष्ट्र में निर्माण कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। ठाणे, विरार और बोईसर में तीनों एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है। विरार और बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब पहले ही कास्ट किया जा चुका है।

मुंबई की भूमिगत सुरंग

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में मुंबई बुलेट ट्रेन के भूमिगत स्टेशन और शिलफाटा के बीच कुल 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत एवं समुद्री सुरंग का निर्माण जारी है। इसमें से 16 किमी सुरंग टनल बोरिंग मशीन (TBM) और 5 किमी न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (NATM) के माध्यम से बनाई जा रही है। इस सुरंग में ठाणे क्रीक के नीचे 7 किलोमीटर लंबी समुद्री सुरंग भी शामिल है।

पियर निर्माण और वायडक्ट कार्य में उल्लेखनीय प्रगति

मार्ग के कई हिस्सों में पियर नींव और पियर निर्माण का काम चल रहा है। अब तक लगभग 44 किलोमीटर पियर का निर्माण पूर्ण हो चुका है। पालघर से दहानु के बीच फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के जरिए वायडक्ट निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पहाड़ी सुरंगों और पुलों का निर्माण भी जारी

पालघर जिले में सात पहाड़ी सुरंगों की खुदाई की जा रही है। वहीं, वैतरणा, उल्हास और जगानी नदियों पर पुल निर्माण का कार्य भी आरंभ हो चुका है।

NATM से हो रही सुरंग खुदाई में 4.1 किमी कार्य पूर्ण

शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती दिशाओं से सुरंग खुदाई का कार्य NATM के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें अब तक 4.1 किलोमीटर सुरंग हेडिंग पूरी हो चुकी है।विक्रोली (56 मीटर गहराई) और सावली शाफ्ट (39 मीटर गहराई) में बेस स्लैब की ढलाई पूर्ण हो चुकी है।

ULHAS VIKAS, Mumbai, 6.7.2025
Page No. 4, Size:(24.90)cms X (23.63)cms.

बुलेट ट्रेन निर्माण कार्य प्रगति पथ पर

ठाणे. तीनों एलिवेटेड स्टेशन ठाणे, विरार, बोईसर पर काम तेज गति से चल रहा है।विरार व बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है।मार्ग के कई स्थानों पर पियर की नींव और पियर का कार्य चल रहा है।अब तक लगभग 44 किलोमीटर के पियर का निर्माण किया जा चुका है।पालघर से दहानु तक फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के माध्यम से वायडक्ट निर्माण का कार्य शुरू है।पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम चल रहा है।वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुल का निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई है।बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन और महाराष्ट्र राज्य में शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली

भूमिगत और समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है।21 किलोमीटर सुरंग में से 16 किलोमीटर सुरंग टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है।न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती फेसों से संचयी रूप से लगभग 4.1 किमी सुरंग हेडिंग हो चुकी है।विक्रोली 56 मीटर की गहराई पर और सावली शाफ्ट 39 मीटर की गहराई के साथ में दोनों बेस स्लैब की ढलाई पूरी हो गई है। स्लज उपचार संयंत्र शाफ्ट के स्थान पर स्थापित किया जा रहा है और महापे टनल लाइनिंग कास्टिंग यार्ड टनल लाइनिंग खंडों का उत्पादन कर रहा है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में निर्माणाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 80% खुदाई का काम पूरा हो चुका है। स्टेशन के दोनों छोर पर ज़मीन से 100 फ़ीट नीचे बेस स्लैब कास्टिंग का काम पहले से ही शुरू है।

NAVRASHTRA, Mumbai, 7.7.2025
Page No. 2, Size:(8.53)cms X (14.19)cms.

Bullet train project work gains momentum!

विरार-बोईसर स्थानकात पहिला स्लॅब टाकला

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या कामाने घेतला वेग !

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या कामाने राज्यात वेग घेतला आहे. ठाणे, विरार आणि बोईसर या तिन्ही उन्नत स्थानकांचे काम वेगाने सुरू आहे. विरार आणि बोईसर स्थानकासाठी पहिला स्लॅब नुकताच टाकला गेला. मार्गावर अनेक ठिकाणी पिअर फाउंडेशन आणि घाटाचे काम प्रगतीपथावर आहे. आतापर्यंत सुमारे ४४ किमी पायर्स टाकले आहेत.

बुलेट ट्रेनचे गुजरात राज्यातील काम अत्यंत वेगाने पूर्ण होत आहे. त्यानंतर महाराष्ट्र राज्यातील बुलेट ट्रेनच्या कामाने वेग घेतला आहे. पालघर जिल्ह्यातील डहाणू परिसरात नुकतेच पूर्ण स्पॅन बॉक्स गर्डर लाँचिंगद्वारे व्हायाडक्ट बांधकामाचे काम सुरू झाले आहे. पालघर जिल्ह्यात ७ पर्वतीय बोगद्यांच्या खोदकामाचे काम प्रगतीपथावर आहे.

बीकेसी स्थानकाचे ८० टक्के खोदकाम पूर्ण

विक्रोळी (५६ मीटर खोलीवर) आणि सावली शाफ्ट (३९ मीटर खोलीवर) येथे बेस स्लॅबचे कास्टिंग पूर्ण झाले आहे. शाफ्ट साइटवर गाळ प्रक्रिया प्रकल्प बसवला जात आहे आणि महापे टनेल लाइनिंग कास्टिंग यार्ड बोगद्याच्या अस्तर विभागांचे उत्पादन करत आहे. बीकेसी भूमिगत स्थानकाचे खोदकाम ८० टक्के काम पूर्ण झाले आहे. स्टेशन साइटच्या दोन्ही टोकांवर जमिनीपासून १०० फूट खाली बेस स्लॅब कास्टिंगचे काम आधीच सुरू झाले आहे.

भारतातील पहिला २१ किमी लांबीचा बोगदा

वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) आणि शिलफाटा येथील मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्थानकादरम्यान भारतातील पहिला २१ किमी लांबीचा भूमिगत/समुद्री बोगदा बांधण्यात येत आहे. २१ किलोमीटरच्या बोगद्याच्या बांधकामापैकी १६ किलोमीटर बोगद्याच्या बोअरिंग मशीनद्वारे आणि उर्वरित ५ किलोमीटर एनएटीएमद्वारे केले जात आहे. न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग मेथडद्वारे (एनएटीएम) शिल्फाटा आणि एडीआयटी पोर्टलवरून दोन समवर्ती टप्प्यांतून एकूण ४.१ किमी लांबीचे बोगदा हेडिंग केले आहे.

१.०८ लाख कोटी खर्च

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचा एकूण खर्च १.०८ लाख कोटी रुपये इतका आहे. शेअरहोल्डिंग पॅटर्ननुसार, भारत सरकार (केंद्र सरकार) या प्रकल्पासाठी एनएचएसआरसीएलला १०,००० कोटी रुपये देणार आहे. तर महाराष्ट्र आणि गुजरात या दोन्ही राज्यांना बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी प्रत्येकी ५,००० कोटी रुपये द्यावे लागणार आहेत

DABANG DUNIYA, Mumbai, 7.7.2025
Page No. 2, Size:(6.98)cms X (7.74)cms.

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन निर्माण कार्य प्रगति पथ पर

दबंग रिपोर्टर » ठाणे

तीनों एलिवेटेड स्टेशन ठाणे, विरार, बोईसर पर काम तेज गति से चल रहा है। विरार व बोईसर स्टेशन के लिए पहला स्लैब कास्ट किया जा चुका है। मार्ग के कई स्थानों पर पियर की नींव और पियर का कार्य चल रहा है। अब तक लगभग 44 किलोमीटर के पियर का निर्माण किया जा चुका है। पालघर से दहानु तक फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के माध्यम से वायडक्ट निर्माण का कार्य शुरू है।

पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई का काम चल रहा है। वैतरणा, उल्हास और जगानी नदी पर पुल का निर्माण कार्य की शुरूआत हो गई है। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई बुलेट ट्रेन भूमिगत स्टेशन और महाराष्ट्र राज्य में शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी भारत की पहली भूमिगत और समुद्री सुरंग का निर्माण चल रहा है। 21 किलोमीटर सुरंग में से 16 किलोमीटर सुरंग टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से तथा शेष 5 किलोमीटर एनएटीएम के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक पर 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे सुरंग भी शामिल है। न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि (एनएटीएम) के माध्यम से शिलफाटा और एडीआईटी पोर्टल से दो समवर्ती फेसों से संचयी रूप से लगभग 4.1 किमी सुरंग हेडिंग हो चुकी है। विक्रोली 56 मीटर की गहराई पर और सावली शाफ्ट 39 मीटर की गहराई के साथ में दोनों बेस स्लैब की ढलाई पूरी हो गई है। स्लज उपचार संयंत्र शाफ्ट के स्थान पर स्थापित किया जा रहा है और महापे टनल लाइनिंग कास्टिंग यार्ड टनल लाइनिंग खंडों का उत्पादन कर रहा है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में निमार्णाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन पर 80% खुदाई का काम पूरा हो चुका है। स्टेशन के दोनों छोर पर जमीन से 100 फीट नीचे बेस स्लैब कास्टिंग का काम पहले से ही शुरू है।

SANDESH, Ahmedabad, 6.7.2025
Page No. 16, Size:(24.90)cms X (16.75)cms.

Bullet Train Project: Most of the work of tunneling through seven mountains in Gujarat has been completed

ગુજરાતમાં મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ, વર્ષ ૨૦૨૬ના અંતમાં બુલેટ ટ્રેન દોડે તેવી શક્યતા

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ : ગુજરાતમાં સાત પહાડો ખોદી સુરંગ બનાવવાનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ કરાયું

૩૦૦ કિ.મી.વાયડક્ટ્સનું કામ પૂરું કરાયું, ગુજરાતમાં ૮ સ્ટીલના બ્રિજ પણ મૂકી દેવાયા

| અમદાવાદ |

આગામી વર્ષ ૨૦૨૬ના અંત સુધીમાં બુલેટ ટ્રેન દોડાવવાનું આયોજન છે. અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ૩૦૦ કિ.મી. વાયડક્ટ્સનું કામ પૂર્ણ પણ કરી દેવાયું છે. અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચેના મહત્વકાંક્ષી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરીમાં હાલ પાલઘર જિલ્લામાં સાત પર્વતો ખોદીને બુલેટ ટ્રેનની અવર-જવર માટેની સુરંગનું કામ ચાલી રહ્યું છે. જેમાં મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ પણ થઈ ગયું છે. ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રની કુલ ૧૪ નદીઓ પર સ્ટીલના બ્રિજનું નિર્માણ હાથ ધરાયું છે. સ્ટીલના બ્રિજ દેશભરના સાત વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવ્યા છે. પ્રોજેક્ટમાં ૩૮૩ કિ.મી.થાંભલાનું કામ, ૪૦૧ કિ.મી.ફાઉન્ડેશનનું કામ અને ૩૨૬ કિ.મી. ગર્ડર કાસ્ટિંગનું કામ પૂર્ણ કરાયું છે. મહારાષ્ટ્રમાં થાને, વિરાર અને બોઈસરમાં એલિવેટેડ સ્ટેશનોનું કામ

ચાલ રહ્યું છે. પહેલો સ્કેલ પણ ભરાઈ ગયો છે. ૪૪ કિ.મી.વિસ્તારમાં પિલ્લરોનું કામ પૂર્ણ થયું છે. પાલઘર જિલ્લામાં દહાનુ ક્ષેત્રમાં કુલ સ્પેન બોક્સ ગર્ડર લોન્ચિંગના માધ્યમથી વાયડક્ટ નિર્માણનું કામ ચાલુ થઈ ગયું છે. વૈતરણા, ઉલ્હાસ અને જગાની નદી પર પુલ નિર્માણનું કામ ચાલુ થઈ ગયું છે. બાન્દ્રા-કુર્લા કોમ્પ્લેક્ષમાં બુલેટ ટ્રેન ભુમિગત-સમુદ્રી સુરંગનું કામ ચાલી રહ્યું છે. ૨૧ કિ.મી.

ગુજરાતમાં ક્યાં બ્રિજ નિર્માણનું કામ પૂર્ણ થયું ?

સ્થાન	પુલની લંબાઇ (મીટર)	વજન(મેટ્રીક ટનમાં)
રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ ૫૩, સુરત	૭૦	૬૭૩
નડિયાદ પાસે	૧૦૦	૧,૪૮૬
વડોદરા નજીક	૨૩૦	૪,૩૯૭
સિલવાસા નજીક	૧૦૦	૧,૪૬૪
વડોદરા	૬૦	૬૪૫
DFC ટ્રેક, રેલવે ટ્રેક સુરત	૧૦૦,૬૦	૨,૦૪૦
વડોદરા પાસે DFC ટ્રેક	૭૦	૬૭૪
ભરૂચ નજીક DFC ટ્રેક	૧૦૦	૧,૪૦૦

સુરંગમાંથી ૧૬ કિ.મી.સુરંગ ટનલ બોરિંગ મશીનોથી અને બાકીના પાંચ કિ.મી.એનએટીએમના માધ્યમથી ખોદવાનું કામ ચાલી રહ્યું છે. જેમાં થાને ક્રિક વચ્ચેની ૭ કિ.મી.લાંબી સમુદ્રી સુરંગ પણ સામેલ છે. વિક્રોલીમાં ૫૬ મીટર ઉંડી અને સાવલી શાફ્ટમાં ૩૯ મીટર ઉંડી બેસ સ્લેબની કામગીરી થઈ ગઈ છે. બાન્દ્રા, કુર્લા કોમ્પ્લેક્ષમાં સ્ટેશનનું કામ ૮૦ ટકા પૂર્ણ થઈ ગયું છે.

SANDESH, Surat, 6.7.2025
Page No. 5, Size:(7.96)cms X (9.62)cms.

Bullet Train Project: Most of the work of tunneling through seven mountains in Gujarat has been completed

ગુજરાતમાં મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ, વર્ષ ૨૦૨૬ના અંતમાં બુલેટ ટ્રેન દોડે તેવી શક્યતા

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ : રાજ્યમાં સાત પહાડો ખોદી સુરંગ બનાવવાનું મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ કરાયું

૩૦૦ કિ.મી.વાયડક્ટ્સનું કામ પૂરું કરાયું, ગુજરાતમાં ૮ સ્ટીલના બ્રિજ પણ મૂકી દેવાયા

| અમદાવાદ |

આગામી વર્ષ ૨૦૨૬ના અંત સુધીમાં બુલેટ ટ્રેન દોડાવવાનું આયોજન છે. અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ૩૦૦ કિ.મી. વાયડક્ટ્સનું કામ પૂર્ણ પણ કરી દેવાયું છે. અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચેના મહત્વકાંક્ષી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરીમાં હાલ પાલઘર જિલ્લામાં સાત પર્વતો ખોદીને બુલેટ ટ્રેનની અવર-જવર માટેની સુરંગનું કામ ચાલી રહ્યું છે. જેમાં મોટાભાગનું કામ પૂર્ણ પણ થઈ ગયું છે. ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રની કુલ ૧૪ નદીઓ પર સ્ટીલના બ્રિજનું નિર્માણ હાથ ધરાયું છે. સ્ટીલના બ્રિજ દેશભરના સાત વર્કશોપમાં બનાવવામાં આવ્યા છે. પ્રોજેક્ટમાં ૩૮૩ કિ.મી. થાંભલાનું કામ, ૪૦૧ કિ.મી.ફાઉન્ડેશનનું કામ અને ૩૨૬ કિ.મી. ગર્ડર કાસ્ટિંગનું કામ પૂર્ણ કરાયું છે. મહારાષ્ટ્રમાં થાને, વિરાર અને બોઈસરમાં એલિવેટેડ સ્ટેશનોનું કામ ચાલ રહ્યું છે. પહેલો સ્કેલ પણ ભરાઈ ગયો છે. ૪૪ કિ.મી.વિસ્તારમાં પિલ્લરોનું કામ પૂર્ણ થયું છે. પાલઘર જિલ્લામાં દહાનુ ક્ષેત્રમાં ફુલ સ્પૈન બોક્સ ગર્ડર લોન્ચિંગના માધ્યમથી વાયડક્ટ નિર્માણનું કામ ચાલુ થઈ ગયું છે. વૈતરણા, ઉલ્હાસ અને જગાની નદી પર પુલ નિર્માણનું કામ ચાલુ થઈ ગયું છે. ૨૧ કિ.મી. સુરંગમાંથી ૧૬ કિ.મી.સુરંગ ટનલ બોરિંગ મશીનોથી અને બાકીના પાંચ કિ.મી.એનએટીએમના માધ્યમથી ખોદવાનું કામ ચાલી રહ્યું છે. જેમાં થાને ક્રિક વચ્ચેની ૭ કિ.મી.લાંબી સમુદ્રી સુરંગ પણ સામેલ છે. વિક્રોલીમાં ૫૬ મીટર ઉંડી અને સાવલી શાફ્ટમાં ૩૯ મીટર ઉંડી બેસ સ્લેબની કામગીરી થઈ ગઈ છે.

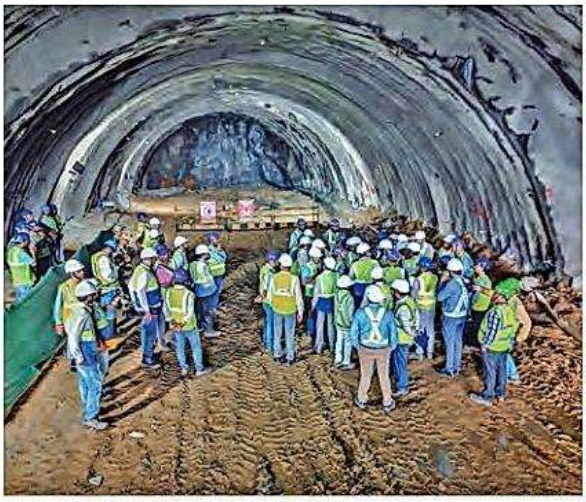

ગુજરાતમાં ક્યાં બ્રિજ નિર્માણનું કામ પૂર્ણ થયું ?

સ્થાન	પુલની લંબાઇ (મીટર)	વજન(મેટ્રીક ટનમાં)
રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ ૫૩, સુરત	૭૦	૬૭૩
નડિયાદ પાસે	૧૦૦	૧,૪૮૬
વડોદરા નજીક	૨૩૦	૪,૩૯૭
સિલવાસા નજીક	૧૦૦	૧,૪૬૪
વડોદરા	૬૦	૬૪૫
DFC ટ્રેક, રેલવે ટ્રેક સુરત	૧૦૦,૬૦	૨,૦૪૦
વડોદરા પાસે DFC ટ્રેક	૭૦	૬૭૪
ભરૂચ નજીક DFC ટ્રેક	૧૦૦	૧,૪૦૦